पाठ-योजना

अध्यापिका/अध्यापक :

पुस्तक : उड़ान हिंदी पाठमाला भाग-8

विषय : हिंदी **दिनांक :** ....

उपविषय : कर्मवीर, पाठ-1 **अवधि :** 2-3 वादन

पाठ संख्या	सुनना, बोलना और पढ़ना	चिंतन	लिखना	गतिविधियाँ	जीवन मूल्य तथा पारिवारिक, सामाजिक व राष्ट्रीय चेतना
1.	सस्वर वाचन, कंठस्थ करना, शुद्ध उच्चारण, प्रश्नोत्तर।	प्रतिक्रिया, अर्थ-बोध, भाव-बोध, आशय, चिंतन, सही उत्तर, कल्पना।	विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची का मिलान, समान तुक वाले शब्द, मुहावरे का वाक्य-प्रयोग, पद्यांश पर आधारित, अति लघु, लघु तथा निबंधात्मक प्रश्न।	संवाद, अतिरिक्त पठन, प्रसंग वर्णन, मैडम क्यूरी के बारे में जानकारी, कवि परिचय।	निरंतर प्रयास करना, कठिनाइयों का सामना करना, आगे बढ़ना।

सामान्य उद्देश्य :
1. छात्रों में शुद्ध वाचन तथा पढ़ने-लिखने के कौशल का विकास करना।
2. अपने विचारों को सही प्रकार से प्रकट करने का ज्ञान व अभ्यास कराना।
3. वर्तनी संबंधी अशुद्धियों को दूर करने का प्रयास करना।
4. छात्रों के शब्द भंडार में वृद्धि करना।
5. प्रश्नों के उत्तर को भली-भाँति लिखने का अभ्यास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य :
1. शुद्ध रूप में आनंद भाव से 'कविता' का लयबद्ध गान कराना तथा कविता के माध्यम से बताना कि सफलता निरंतर प्रयासरत व्यक्तियों को ही मिलती है।
2. विपरीतार्थक शब्द की पहचान कराना, समान तुक वाले शब्दों का ज्ञान कराना, पद्यांश के आधार पर प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास कराना तथा पद्यांश के भावार्थ से अवगत कराना।

सहायक सामग्री : श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान-परीक्षा : अध्यापिका/अध्यापक छात्रों की पूर्वज्ञान परीक्षा लेने के लिए बच्चों से पूछेंगे कि क्या आप अपने किसी काम को भाग्य के भरोसे छोड़ते हैं? आपके अनुसार वीर पुरुष कौन है? आदि।

उद्देश्य-कथन : अध्यापिका/अध्यापक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक या असंतोषजनक पाकर अपने उद्देश्य की घोषणा करेंगे कि बच्चो, आज हम 'कर्मवीर' कविता का अध्ययन करेंगे।

शिक्षण-बिंदु : 'कर्मवीर' पाठ-1 के प्रश्नों के उत्तर छात्रों की सहायता लेते हुए कराए जाएँगे।

अध्यापिका/अध्यापक क्रियाएँ	छात्र-क्रियाएँ
प्र.1. इस कविता में किसकी बात की गई है?	उ. इस कविता में कर्मवीर व्यक्ति की बात की गई है।
प्र.2. किसके बल पर देश का नाम ऊँचा किया है?	उ. अपनी मेहनत, बुद्धि और कर्मठता के बल पर देश का नाम ऊँचा किया है।
प्र.3. कर्मवीर व्यक्ति को चिलचिलाती धूप किसके समान लगती है?	उ. कर्मवीर व्यक्ति को चिलचिलाती धूप चाँदनी के समान लगती है?

पाठ पढ़ाने के पश्चात–

मौखिक : सर्वप्रथम अध्यापिका/अध्यापक कठिन शब्दों का उच्चारण कराएँगे तथा पाठ से संबंधित मौखिक प्रश्न पूछेंगे।

जैसे– प्र. इस कविता से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

उ. इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि निरंतर कठिनाइयों का सामना करते हुए हमें आगे बढ़ना चाहिए।

इसी प्रकार से सभी प्रश्नों को मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात–

कॉरडोवा सी.डी. (C.D.) के माध्यम से मूल पाठ सहित पाठ को दर्शाएँगे तथा समझाएँगे।

लिखित : प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लिखित रूप में करवाने से पहले मौखिक रूप में पूछेंगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।

1. विपरीतार्थक शब्दों का अर्थ बताते हुए उचित विपरीतार्थक शब्द में सही का निशान लगवाएँगे।
2. पर्याय का अर्थ बताएँगे। तत्पश्चात पर्याय वाले शब्दों का मिलान करवाएँगे।
3. समान तुक वाले शब्दों को समझाएँगे। तत्पश्चात लिखवाएँगे।
4. मुहावरे के महत्त्व को बताएँगे। उसके बाद दिए गए मुहावरे का वाक्य प्रयोग करवाएँगे।
5. संकेत पद्यांश को पुनः पढ़ाकर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर में सही का निशान लगवाएँगे।
6. अति लघु प्रश्नों की सीमा रेखा को समझाएँगे। तत्पश्चात प्रश्नों के उत्तर को लिखवाएँगे।
7. लघु प्रश्नों की सीमा रेखा से अवगत कराएँगे। उसके बाद प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।
8. (क) निबंधात्मक प्रश्नों की भी सीमा रेखा बताते हुए दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखवाएँगे।

   (ख) संकेत पद्यांश में आए कठिन शब्दों का अर्थ बताएँगे। तत्पश्चात सप्रसंग भावार्थ लिखवाएँगे।

आओ अब कुछ बात करें : बच्चों को अपने विचार प्रकट करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए लगन और मेहनत से संबंधित विषय पर संवाद को आगे बढ़वाएँगे।

पूरे जोश के साथ बच्चों को 'कर्मवीर' कविता सुनाने के लिए कहेंगे।

परियोजना निर्माण : बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए छायावादी युग के कवियों के विषय में जानकारी प्राप्त करने के लिए कहेंगे।

निष्कर्ष : बच्चों के अंदर कठिनाइयों और बाधाओं से संघर्ष करने की भावना जागृत हुई।

कक्षा-कार्य निरीक्षण : अध्यापिका/अध्यापक कक्षा में छात्रों को लिखवाए गए प्रश्नों के उत्तर का निरीक्षण करेंगे तथा अशुद्धियों को ठीक कराएँगे।